सत्यमेव जयते

Ministry of Education

Government of India

आंतरिक गुणवत्ता प्रमाणन प्रकोष्ठ (IQAC)

और

हिन्दी विभाग

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय

(नैक ग्रेड बी++)

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

और

महात्मा हंसराज संकाय संवर्द्धन केन्द्र, हंसराज महाविद्यालय

(नैक ग्रेड ए+)

(PMMMNMTT के अंतर्गत शिक्षा मंत्रालय की पहल)

के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित

सात दिवसीय संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम

हिंदी साहित्त्यः शोध प्रविधियाँ एवं चुनौतियाँ

दिनांकः
25 फरवरी
से 3 मार्च, 2022

लाइव सेशन सत्र
दोपहर 02:00 बजे
से
सांय 5:15 बजे तक

@hrcduofficial

PMMMNMTT के बारे में

'पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग' शिक्षक की भूमिका और कार्य में सृजनात्मक परिवर्तन की आवश्यकता पर बल देता है। यह शिक्षक को सूचना और ज्ञान का प्रसारक मात्र नहीं मानता अपितु सामाजिक एवं भौतिक जगत में उन्हें सक्रिय बनाकर, उनकी अंतदृष्टि को विकसित करता है। यह अभिनव शिक्षण पद्धतियों और प्रयोगों से परिचय करा कर उपलब्ध ज्ञान की सीमाओं को विस्तृत करने की क्षमता का आधान करता है।

Register by Scanning QR code

Last Date: 20.02.2022

www.mhrfdc.in

fdp.hrc@gmail.com

हंसराज महाविद्यालय के संदर्भ में

हंसराज महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय से संबंद्ध, कॉलेजों में एक प्रतिष्ठित कॉलेज है। विगत दशकों में विभिन्न प्रकार की रैंकिंग में यह साइंस, कॉमर्स और आर्ट्स में शीर्ष पांच कॉलेजों में शमिल रहा है। कॉलेज की अकादमिक गतिविधियों और उपलब्धियों में कॉलेज के प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों का योगदान उल्लेखनीय रहा है। विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को अद्यतन बनाए रखने तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने हेतु कॉलेज की ओर से निरंतर अनेक प्रकार के कदम उठाए गए हैं।

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

स्त्री शिक्षा को समर्पित जेडीएम महाविद्यालय की स्थापना प्रसिद्ध गांधीवादी श्री बृज कृष्ण चांदीवाला ने अपनी माँ श्रीमती जानकी देवी की स्मृति में सन् 1959 में की थी।

इस बदलते हुए चुनौतीपूर्ण परिप्रेक्ष्य में कॉलेज का उद्देश्य युवा महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना, उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए सशक्त बना कर व्यापक स्तर पर समाज में सार्थक योगदान देना और दुनिया को देखने, नेतृत्व करने और बदलने की क्षमता हासिल करना है। कॉलेज नई दिल्ली के रिज में स्थित है और हरियाली से परिपूरित, जल संरक्षण में सक्षम, पर्यावरण के अनुकूल खुली हवादार स्थापत्य के साथ आकर्षक परिवेश से युक्त है। कॉलेज मानविकी, गणित और वाणिज्य में बारह स्नातक पाठ्यक्रम और आठ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करता है। जेडीएमसी शिक्षा के प्रचार प्रसार के लिए पूर्णतः समर्पित है इसी निहितार्थ कॉलेज में नॉन-कॉलेजिएट वूमेन एजुकेशन बोर्ड (NCWEB) और स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (SOL), दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षण केंद्र भी हैं। कॉलेज छात्राओं के ज्ञान कौशल संवर्द्धन के लिए विभिन्न प्रकार के छात्रोपयोगी एड-ऑन कोर्स / सर्टिफिकेट कोर्स चलाता है। जेडीएमसी अपनी छात्राओं के सुरक्षित भविष्य के लिए शानदार निष्पादन और प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ संबद्ध है। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट निष्पादन और छात्राओं की प्रतिभा और व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास को पर्याप्त मंच देने के लिए कॉलेज में तीस से अधिक सोसायटी / क्लब / सेल और छह केंद्र हैं–अनुसंधान केंद्र, संसाधन केंद्र, सार्वभौमिक मूल्यों और नैतिकता केंद्र, कैरियर के अवसरों और कौशल वृद्धि केंद्र, विस्तार और आउटरीच केंद्र और लिंग समानता अध्ययन केंद्र।

कॉलेज में अत्यंत समर्पित, प्रतिबद्ध और बेहतरीन संकाय और सहकर्मी हैं। जेडीएमसी ने उस विशिष्ट परंपरा को कायम रखा है जहां छात्राओं के साथ शैक्षिक, भावात्मक और मनोवैज्ञानिक रूप से प्रगाढ़ और आत्मीय सम्बन्धों का निर्वाह किया जाता है।

अपनी छात्राओं, शिक्षकों और गैर-शिक्षण स्टाफ को उपयुक्त वातावरण प्रदान कर लगातार अभिप्रेरित करने के लिए सतत प्रयत्नशील है। इसके साथ ही कॉलेज अकादमिक और पाठ्येतर गतिविधियों की संचालन के लिए समुचित वातावरण और अत्याधुनिक सुविधाएं और बुनियादी ढांचा प्रदान करता है। जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज ने हाल ही में शानदार उत्कृष्टता के साठ वर्षों की यात्रा पूरी की है।

कॉलेज भारत के सभी राज्यों की छात्राओं को एक समृद्ध शैक्षिक-सांस्कृतिक वातावरण प्रदान करता रहा है। दिल्ली के बाहर से प्रवेश लेने वाली छात्राओं के लिए कॉलेज में आधुनिक सुविधाओं से युक्त हॉस्टल भी है। कॉलेज दिव्यांगों, दृष्टिबाधित छात्राओं और संकाय के प्रति पूर्णतः संवेदित है उनके लिए विशिष्ट प्रकोष्ठ के साथ ही पुस्तकालय में आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध करवाता है। इसके साथ ही दिव्यांग-अनुकूल बुनियादी ढाँचा कॉलेज की विशिष्टता है।

जेडीएमसी-आईक्यूएसी संस्थान की आंतरिक गुणवत्ता बढ़ाने की अनिवार्य दिशा में लगातार कार्यरत है। ज्ञान संवर्धन, गुणवत्ता और दक्षता विकास के लिए छात्राओं, संकाय और गैर-शिक्षण स्टाफ के लिए प्रयासरत है ताकि उनकी क्षमताओं को बढ़ाया जा सके और उन्हें सशक्त बना कर राष्ट्र के विकास और उन्नति में समुचित योगदान दिया सकें।

विषय के सन्दर्भ में

सामान्य अर्थों में शोध से अभिप्राय है गहन अध्ययन, चिंतन और विश्लेषण द्वारा मौजूदा ज्ञान के निकाय में संवृद्धि करना और ज्ञान का उत्पादन करना। शोध एक सुनियोजित, संगठित और संरचनाबद्ध प्रयास है जो साहित्य और डेटा के विश्लेषण के सहयोग से समस्या का वस्तुनिष्ठ आकलन प्रदान करता है और निहित उद्देश्यों का उपयुक्त उत्तर प्रस्तुत करता है ताकि भविष्य में ज्ञान के क्षेत्र में इसका प्रयोग हो सकें। शोध पद्धति शोध का तकनीकी पक्ष है जो व्यवस्थित मॉडल्स और प्रक्रिया द्वारा शोध के स्वरूप को नियंत्रित और अनुशासित करता है।

अनुसंधान पद्धति के महत्व को ध्यान में रखते हुए, इस संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम में अनुसंधान के बुनियादी आयामों का पता लगाने, साहित्य के क्षेत्र में अनुसंधान के ऐतिहासिक प्रतिमानों को रेखांकित करने वाली धारणाओं के उद्देश्य से विचार किया गया है। इसमें अनुसंधान प्रविधियों में हालिया विकास, शोध प्रकाशन में पद्धति संबंधी मुद्दे, प्रकाशन नैतिकता, अनुसंधान में आंकड़ों का उपयोग और दुरुपयोग और पठन सामग्री के लिए संसाधनों की उपलब्धता शामिल है।

उक्त कार्यक्रम के पूरा होने पर प्रतिभागियों में साहित्य की समीक्षा करने, परिकल्पना विकसित करने, शोध हेतु डेटा संग्रह और विश्लेषण के उपकरणों की भूमिका और विषय की प्रासंगिकता को समझने के लिए कौशल विकसित करने की संभावना अपेक्षित है।

विशिष्ट वक्तागण

प्रो. श्यौराज सिंह बेचैन
अध्यक्ष, हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय।

प्रो. वीर भारत तलवार
पूर्व अध्यक्ष, भारतीय भाषा केंद्र
जेएनयू, नई दिल्ली।

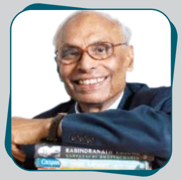

डॉ. इन्द्रनाथ चौधुरी
पूर्व निदेशक, नेहरू सेंटर, लंदन
तथा पूर्व संस्कृति मंत्री,
भारतीय उच्चायोग, लंदन।

प्रो. गोपेश्वर सिंह
पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय।

प्रो. जगदीश्वर चतुर्वेदी
पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग
कलकत्ता विश्वविद्यालय।

प्रो.अनिल राय
डीन अंतरराष्ट्रीय संबंध,
सामाजिक विज्ञान और मानविकी,
दिल्ली विश्वविद्यालय।

प्रो. सुधा सिंह
हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय।

प्रो. आशुतोष कुमार
हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय।

प्रो. बजरंग बिहारी तिवारी
हिंदी विभाग, देशबन्धु कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय।

डॉ. गंगा सहाय मीणा
एसोसिएट प्रोफेसर, भारतीय भाषा केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली।

पंजीकरण के संदर्भ में जानकारी

इच्छुक प्रतिभागी निम्नलिखित निर्देशों के अनुसार संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम के लिए अपना पंजीकरण करा सकते हैं–

- पंजीकरण के लिए पंजीकरण शुल्क (भारत के प्रतिभागी) : रुपये 500/– प्रतिभागी निम्नलिखित खाते में पंजीकरण शुल्क NEFT / IMPS / UPI के माध्यम से जमा कर सकते हैं–

Account : Principal, Hansraj College, FDC

Bank : Canara Bank, Hansraj College, Delhi

Types of Account : Saving

Account No. : 2848101019873

IFSC : CNRB0002848

- **पंजीकरण शुल्क अप्रतिदेय** (Non-Refundable) है।
  - कार्यक्रम में सहभागिता के लिए पूर्व निर्धारित अवधि में ऑनलाइन माध्यम से पंजीकरण कराना अनिवार्य है।
  - प्रतिभागी अपना पंजीकरण निम्नलिखित लिंक https://bit.ly/3u5lEaG के माध्यम से कर सकते है। पंजीकरण लिंक भरने से पूर्व प्रतिभागी सुनिश्चित करें कि उनके पास संकाय संवर्द्धन हेतु निर्धारित पंजीकरण शुल्क राशि की भुगतान के प्रमाण हो।
- **पंजीकरण की अंतिम तिथि 20 फरवरी, 2022 है। सभी प्रतिभागियों को 22 फरवरी, 2022 तक कार्यक्रम में सहभागिता की सूचना भेज दी जाएगी।**
  - इस कार्यक्रम में उपस्थिति संबंधी नियमों का पालन आवश्यक है। प्रतिभागी को ई–प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित मूल्यांकन प्रक्रिया को अनिवार्यतः पूरा करना है।
  - कार्यक्रम संबंधी भावी जानकारियों से पंजीकृत प्रतिभागियों को अवगत कराया जाएगा।
- **सहभागिता के लिए योग्यताः** इस संकाय संवर्द्धन कार्यक्रम में किसी भी विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के (स्थायी, अस्थायी और अतिथि प्रवक्ता) संकाय सदस्य और शोधार्थी सहभागिता के लिए योग्य है।

आयोजन समिति

महात्मा हंसराज संकाय संवर्द्धन केन्द्र, हंसराज महाविद्यालय

प्रो. रमा
प्राचार्या हंसराज महाविद्यालय एवं
अध्यक्ष, महात्मा हंसराज संकाय संवर्द्धन केन्द्र

डॉ. ज्योति भोला
संयोजक
महात्मा हंसराज संकाय संवर्द्धन केन्द्र

श्री आशुतोष यादव
सह संयोजक
महात्मा हंसराज संकाय संवर्द्धन केन्द्र

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रो. स्वाति पाल
प्राचार्या और संरक्षक

डॉ. शिल्पा चौधरी
आइक्यूएसी संयोजक

डॉ. रजनी बाला अनुरागी
श्रीमती औरजीना मैरी लाकाडोंग
एफडीपी संयोजक
एवं कार्यक्रम समन्वयक

विभागीय सदस्य सहयोग

डॉ. सुधा उपाध्याय

डॉ. विनीता रानी

श्रीमती मीनाक्षी